

DPN 5921

Title : मन्त्र सप्थ MANTRA SAPHU

Run. No. 6612

Cat. No.

Micro. No.

Subject मन्त्र Mantra

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. / Hindi

Size in cms. 24.5 x 9

Folios 20

Lines (in a page) 22 irregular

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

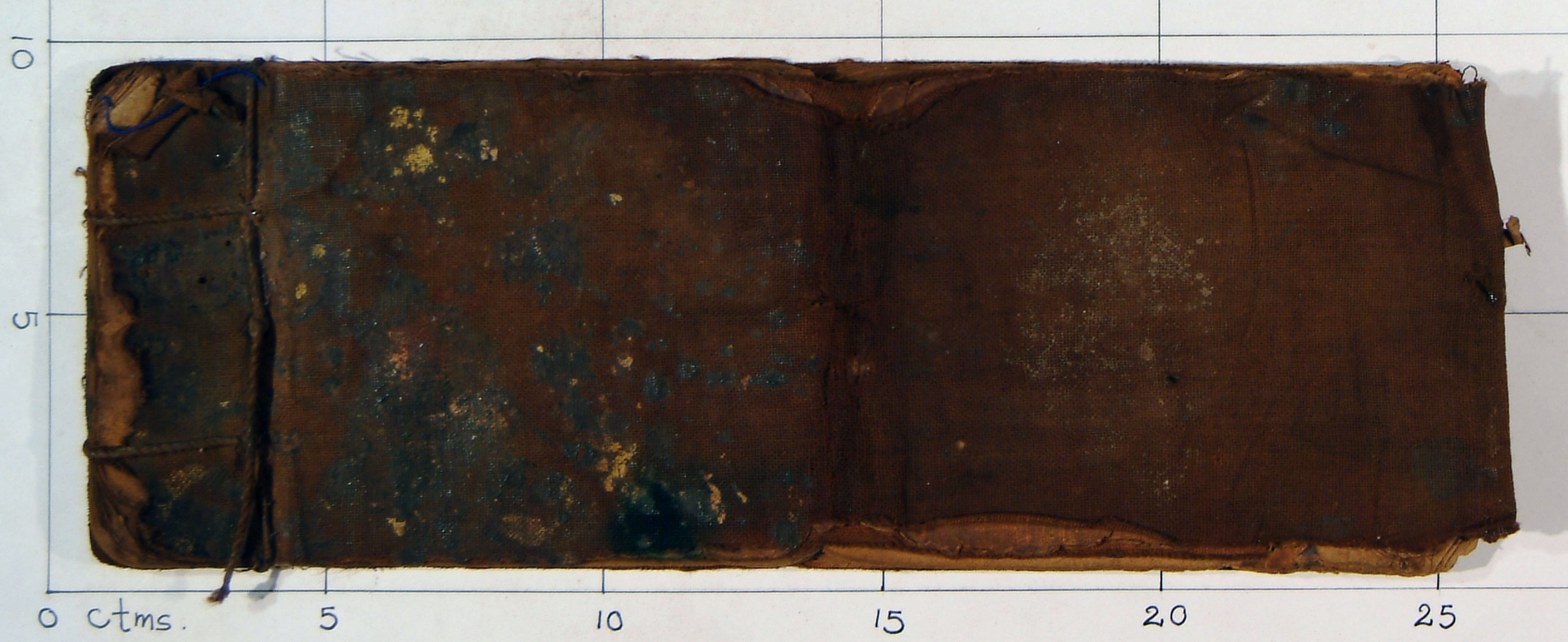
Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu / कपड बुना कः, पिचः/रु cloa bound cover,

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :



10

5

0 ctms.

5

10

15

20

25

30

35

40

45

20

51

Handwritten text in a cuneiform script, likely Sumerian or Akkadian, inscribed on a fragment of a clay tablet. The text is arranged in approximately 12 horizontal lines across the fragment. The script is dark and somewhat faded, with some characters appearing as simple wedges or lines. The fragment is irregularly shaped, with a jagged left edge and a slightly curved right edge. It is placed on a white background with a grid of centimeters for scale.

श्रीगणेशाय नमः । ॐ नमः
श्रीप्रत्यंगिराभगवति प्राणाम
नमः । ॥ रिग्ययुः सामानि हु
१ दासिमा हविद्यामा हामा
याभगवति प्रत्यंगिरा देवता
हिंनिचं श्रीराक्षि । ॐ नमः
सुयामय । ॥ तत्त्वानि । यद्वि
पात्रं योराभूयत सर्वदेवता
सकृद्यं परमात्मनोति सर्वस्मिन्

ॐ ॥ प्रवि वा रे सु स रे सु सु
धो स य अ य सु व ॥ सो भ
ग्या जे न नी नि त्थे म् नो व स्त
अ रि व या ॥ प हि त्वा सा अ
स्ते नै आ का र स व प्र मो र
आ ॥ नां वि वा भो सु ने सा न
क भ ये स्य आ हि प्र भो ॥ श्री
प्र ला दे उ वा क ॥ सा ड सा ड

प्र ला भा गे ये नु ता हि तं का रि
नी ॥ तां वि वा भो सु रे सा न न
वा या नी न रा स य ॥ दे वि प्र त्ता
गि रा वि वा स र्व प्र हं नि ना शि नि
प्र हं नि स र्व प्र हं ना स र्व प्र व
नि सो व नी ॥ स्त्री ना ला प्र भ ति ना
व दं नु नां हि तं का रि ने ॥ सो भा ग
प्र न नी दे वी व ल प्र टि का र त वा
॥ व नु र्ध दे षु को रे सु व ने सु र
प्र व ने सु क ॥ प्रा सा ने दु र्ग मे

आरिनीयास पोतये ॥ प्रसा
धुमे प्रोवित्रे प्रोवित्रे लारु
जरो ॥ छत्र ईलायथा सायासा
त कुंभे न के वृत्ते ॥ आरये दे
ईप्राविद्यानिष्ठि आरिप्रनासि
नि ॥ बिभृदाप्रातिरिपव प्रसा
सिराविआरयत ॥ तदात
स्यसति हु सो न छ च त्सा द
तिष्ठि ह या ॥ अमृतं तं तं

वेसर्वं अस्मात्पुनः कदा वदु ॥
अमृतं यो न वेद स ह्यतिप्र
दासुतां सदा ॥ आद्ये तां ज
रुद्विषा शुतरं सांतां स्या सुव
तेतथास्मादिषभा नायाति य ते
गा दां संसये ॥ मरादो ह्ये देवि
सर्वसिद्धिं करीस्म ता सर्व मंत्र
विनासी कजो लगु जेत रे त था
॥ सर्वो विद्या हरा नीका प्रतिगो

रा भ लेख्य रीतिना प्रोतिवद
आसर्वविषु हस्तागता श्री य
॥ नमोति मुंती तं सो व स स्वव प्रा
रा लो र क ॥ अवंती व स गता स
स्यात्रि य सो द सं द सं ना त ॥ प्रव
संजा व स तां पांती सीकु दे वा प्र भा
वं त ॥ बरा वर सि दं स र्वा स ह्ये जा न
तं न्या न री ॥ न वार स गता कि री सा
न व्य स्यादि सु व ते ॥ स र्वा दा व स
तं गति स न गान स्य न त्वा स
गो लं का स्य प्र भा नं रा प्रतिगो
र प्र भा व न ॥ छत्र र सु स या न
अमृतं विद्या व किं अ ता न ॥

समुद्रगते बभौः शम रुक्ते शमन
मोऽसि जे उ न प नो ल्या न ल
स जाल आसि मसु जो मी दोस
को लि ते क टा द आवो हने लागे
गेह ते नि नि सा गाः वं के को टा

अप मंत्र

वो कसि लागे वो दो उ न म मंत्र
स तुर लका धि क व जे ते च तो वा
सु सि क टा वा न च्या टि वा न च्या टि
का गा उ वा न रुगा न के म डि
वा न मो डि न के दे वि वा न दो व
का च अ वा न च अ का वा क वा
दा वा न न क न डि व उ न क
रु क बा बा डि ति न रु मा डि ने
हा द म सि क टि व न वा न द म
उ वा पि द ब डि ह द म व
ब वा व म डि व क टि व द
प डि ने दो सा डि नि नि मानु का
अप मंत्र १६ के ट अ सि डि नु

अ वि ह ति यो ना वि नु ता पि ला च्या
मै नि ह ति न पा ण क व रु दं वि डि
पा ष ण सि यो ण ष डि व म म
कि क द पा ण ष डि उ गा दे व न
गा पै ण ष डि उ गा पै आ य पि ना
रा ष डि को वि ला भे रु म पा डि ना
रा ठ डि न रु सि क भे रु वा व रो ष
उ न नु मा न भे वु म ठो ण ष डि को
सि नि वे ता वु सि ते रा ष डि डा ठे

ष ना थ कि वा चा पे मंत्र ते स
ते टे के को पार ला मा अ द ता मंत्र
रा ष नु २ के रा न पे भा व के कि लो
म नि ते वि डि नु स नु म द
ठं दु लि मा सो डि उ न प्र गा सो डि व
रा पे के उ न वा सो डि उ न सो डि मा
सा दे व जो रा धा र्वा ना सि वा चा मो
मंत्र ४९ स नु को म द अ रि मा गा
मा ग म रु छ डि मंत्र ५० ना उ ज मि

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

१५

-5

20

15

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ति नो ह्येष तेनादो वा न सा
 द ते मा ते तादिति मा ते
 वो धी मा ते अतयेत मा ते
 वायुमुसा न स्या न साप ते
 प्र धत दो उ न वरुणा मे न
 वो अ ह न द्यौता मे न ते
 वाया नो एत मं वायना
 मं न न य वो प्री वय ३
 पति ३०

मय मयले पोल्याने १०१
डेस एवले सुधासा
सं गेद्येयसा मे नटा एवको
व्यागु गुरे सके मो भाले
गु मई न मो ए पा व लाने वा
धा.

अथ सत्रु माह्वामनेन उनामोका
लामतिमाहाभैरवतुवेनक
ह्यावरमाभितमभैरवमसुव
भितकेभलासेकुलकुलदमाव
कपापेहेहेहेहेहेहेहेहे
लाहेहेहेहेहेहेहेहेहेहे
भयेहेहेहेहेहेहेहेहेहेहे
नुकोनामहेहेहेहेहेहेहेहे
मागागुःसातुहेनमोसत्र
मद

अथपुत्रीमोर्भनमागेः०००
प्राकिमोभैवलानातः०००
हौताकहेकसातिनलो
विजाहहेकेके००००००
मनीषागुदेनुकिप्रोभ
वगुतिपोहनद

अथबलैकोवागुनलाना
होमदोभामिवाधोमो

चोरागोभीःस्यहधादिग
तिमाहनुमीतःकोदुसदिअ
तामित्रीचादिमोमादोदि
वीमवमित्रीवाउजःकुलदमा
वाउजःनः००००००००००

उंउंयंनदःआवेचनदना
वेभवासमिद्यासनकाःरागा
कसेदिनवादिमनिःराग
कीमकेनामीदेखिसककम
मासहददिवाचाजोराग
पतावादिमोवाःचनद
मदीवाउजः००००००००००
दःके००००००००००००

दविर्दगेमोतिवागेवदिकेला
वेसपःसातुषडिसतनियोरेव
तादुदेकःदेवितारेसकजास
वासासुहिः००००००००००००
इददमा००००००००००००००

नो धृमी मा नि धा म धि ॐ देवाय
सा न्नाय नि ज्ञा न्ना सा न्ना मि
पु न्ना सा न्ना पु न्ना सा न्ना
भै यो को स्या स ये स भव
थां ये स वा चालो वर मे
वृधे ह रि वा वा स को
तु ते मी न्ना नी न्ना दो न्ना
हा नि दो वा न्ना न्ना यो न्ना
वि न्ना न्ना म
उ मा मे वो धा धा वा न्ना
या न्ना न्ना न्ना न्ना न्ना
हो न्ना न्ना न्ना न्ना न्ना
गु नि मा नि से न्ना न्ना
सु म रा ध न्ना न्ना न्ना
हो धो म उ मा न्ना न्ना
ग

अथ धा ॥ दो न्ना ॥ न्ना न्ना न्ना
गो न्ना धं न्ना न्ना न्ना दो न्ना
या न्ना न्ना न्ना न्ना न्ना

अथ धा ॥ न्ना न्ना न्ना न्ना
हि न्ना न्ना न्ना न्ना न्ना
सु न्ना न्ना न्ना न्ना न्ना
गो न्ना न्ना न्ना न्ना न्ना
सा न्ना न्ना न्ना न्ना न्ना
सु न्ना न्ना न्ना न्ना न्ना
गो न्ना न्ना न्ना न्ना न्ना

अथ धा ॥ न्ना न्ना न्ना

ॐ न्ना न्ना न्ना न्ना न्ना
नी न्ना न्ना न्ना न्ना न्ना
नि न्ना न्ना न्ना न्ना न्ना
या न्ना न्ना न्ना न्ना न्ना
सु न्ना न्ना न्ना न्ना न्ना

मंत्र आदि साक्षात् मंत्र मंत्र
मंत्र मंत्र मंत्र मंत्र मंत्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
प्रसन्नमनसो भवतु मे
मनसो भवतु मे
वसुदेवाय नमः
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय

देवि कृपे सो त्रिवागे करि केल
 बेसपु सा तव्ह दिस ता ते नो
 म लाल देऊ देवितो ते सदा
 गाहा लेई हा मणि उकिर
 ता हा लेई देवा लः ३० पु
 दिसा मेरे दे देवी ता मेका
 बलिषा ता मेका मा ठे मा
 तामेका कुरि पद्या ॥ पद्य
 दिसा मेरे दोवे तु हा कदमि
 गुण के मठि सा गुहा के पद
 पद्या ॥ उत्तर ॥ दिसा मेरे देवी
 तपा के धािया तपा के मठि
 दा तपा के फुल पद्या ॥ दिना
 दिसा मेरे देवि सुन के धािया
 सुन के मठि दा सुन के फुल प
 द्या ॥ हा हा हा है को वन बधा
 हा मपु फा हा गळि दं ठ म
 म सुवा गि सुवा ना ला सिंध
 ं देवी मे वन भा के उता
 दि वे देवो ॥ को मंत्र वाग द्या
 उद्या हो ॥ गुहा को सा उ मा उ दे
 के ले देवा वनाई से वा द
 मे द्या वना उत्रा चा को को स
 उ ते सिंध मो न भा गुया दि वे
 वर्या क पु ॥ को अलाय गुवा
 ॥ वउ का लो को को गुवा गु
 मो उ गुया दि चा मे द दे वि
 वउ वाग गु को मंत्र वाग
 ॥ उवाग द्या ॥

८८। मादस्य मंत्र
 अन्मो नृ को ऽर्पता वतेन
 पा सी क्वा सि क वो नृ वा घ ना नि
 मेरि मृगी उर कि स नि कुर
 नि मृग ए कि ना था

कोसलो माडा भा ॥ दोवा नि नालि
मजु ते दोवा धन ॥ सो वा न धन
दिनु वा धन ॥ वाग मागे मधु
सीलाई वाई दिनु गादि वाई वाई

अनपेव अवा मन्त्र ॥ वदि मन्त्र
॥ मागालो वासाको न वाधलोडा
को न मव लोड्मा को न विषम
प्रेको न माइ पुनाई वाई अना

अन मन्त्र मा माधन धन मन्त्र मा
को र सु न राते जोड न वाधन मा
को मागे न पेलि म मगादि मन्त्र
को से न मगादि वागदि न मन्त्र

मन्त्र मा धन ॥ मन्त्र मा ॥ दिनु मा
पे मो दो मो सिधा मा मन्त्र मा
अन न पुनाई को म न मन्त्र मा
ह न से वा वादि न को मन्त्र मा

४२	१४	२
६	३	३६
४४	४	४४
४४	४	४४

प्राज्ञ प्रमाण न मन्त्र मा धन
गला मे वाधन मो च मन्त्र मा
मन्त्र को वाधन चै मन्त्र मा

